''रायपुर जिले के उच्चत्र माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का एक अध्ययन''

प्रोफेसर (डॉ.) संजीत कुमार तिवारी
प्राचार्य शिक्षा संकाय मैट्स यूनिर्वसिटी, आरंग गुल्लू (रायपुर)
श्रीमती.एम. सुजाता
शोधार्थी शिक्षा संकाय मैट्स यूनिर्वसिटी, आरंग गुल्लू (रायपुर)

भूमिका :–

सामाजिका व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण अंग होने के नाते सामाजिक प्राणी के रूप में जीवन यापन कने एवं एक सफल व्यक्ति क रूप में स्वयं को प्रतिष्ठित करने के लिए शिक्षा की आवश्यकता होती है। शिक्षा मनुष्य के जीवन का आधार है। शिक्षा जहॉ एक ओर बालक का संर्वागिण विकास कर उसे विद्वान एवं चरित्रवान बनाती है वही दूसरी ओर यह समाज क विकास के लिए भी आवश्यक हैं। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को जीविकोपार्जन के योग्य बनाता है शिक्षा योजना तब तक सफल नही है जब तक वह व्यक्ति को सफल न बना दे। गर्भावस्था से मृत्यु तक व्यक्ति में शारीरिक परिवर्तन होता रहता है वह कभी स्थायी रूप में नही होता। बाल्यावस्था बहुत तेजी से विकास करती हुयी अवस्था है एक बालक का विकास बाल्यवस्था में जितनी तीव्रता से होता है उतना अधिक उसका मानसिक विकास भी होता है।

सभी मनोवैज्ञानिकों के अनुसार वैसे तो सभी अवस्थाओं में शारीरिक मानसिक सांवेगिक विकास होता है लेकिन यह विकास बाल्यावस्था तथा किशोरावस्था में सबसे अधिक होता है। जब बालक–बालिकाऍ अध्ययन करते हुए माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक ससंसार तक पॅहुचते है तब वे जीवन के सबसे महत्वपूर्ण काल में पहॅचते है अतः इस अवस्था में उनके विकास में शारीरिक मानसिक सांवेगिक स्वास्थ्य के साथ–साथ समाज विद्यालय कक्षा साथी घर–परिवार आदि का प्रभाव पडता है। इस अवस्था में बालक जिन व्यक्तिगत सामाजिक और शिक्षा संबंधी वे आदतों, व्यवहारों, रूचियों, इच्छाओं के अतिरूपों का निर्माण कर लेते है उनकों परिवर्तित कर पाना आसान नही होता। अतः इस अवस्था को बालक की निर्माणकारी अवस्था कहा जाता है।

समस्या कथन :– ''रायपुर जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का एक अध्ययन।''

शोध के उद्देश्य :–

1. ''रायपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन करना।''
2. रायपुर जिले के अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन करना।
3. रायपुर जिले के उच्चतर माध्यमिक शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाऍ :–

1. रायपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र छात्राओं का मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नही पाया जायेगा।

2. रायपुर जिले के अशासकीय विद्यार्थियों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नही पाया जायेगा।
3. रायपुर जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नही पाया जायेगा।

तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण

➢ **उच्चतर माध्यमिक शिक्षा** :–

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा वह शिक्षा है जो प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक शिक्षा पूरी करने के बाद विश्वविद्यालय पूर्व की शिक्षा भी कहा जाता है। इस शिक्षा द्वारा छात्र स्वावलम्बी भी हो सकते है। यह शिक्षा सामान्य अथवा विशिष्ट भी हो सकती है।

➢ **मानसिक स्वास्थ्य** :–

मानसिक विकास से तात्पर्य बालक की उन सभी मानसिक योग्यताओं से है तथा मानसिक लगाओं में वृद्धि और विकास के पूरिणाम स्वरूप वह अपने बदलते हुए वातावरण से समायोजन करता है। अतः उनेक मनोवैज्ञानिकों ने मनुष्य के मानसिक स्वास्थ्य को मनुष्य की व्यक्तिगत और सामाजिक सांमजस्य की कुशलता के रूप में परिभाषित किया है।

➢ **शोध का परिसीमन** :–

शोध अध्ययन को एक निश्चित समय अवधि में पूर्ण करने तथा समय एवं काम तथा सुविधाओं को ध्यान में रखकर अनुसंधान की निम्नलिखित परिसीमाएँ है :–

1. इस अध्ययन हेतु रायपुर जिले के 10 शासकीय एवं 10 अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को चुना गया है।
2. इस अध्ययन हेतु शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के 500–500 छात्र–छात्राओं को चुना गया है।
3. इस शोध अध्ययन हेतु इन शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कला ग्यारहवी (11) एवं बारहवी (12) के छात्र–छात्राओं को चुना गया है।

शोध प्रविधि :–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श :–

प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिए जनसंख्या का निर्धारण करने के लिए रायपुर जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों को लिया गया है।

उपकरण :– अध्ययन कर्ता ने प्रस्तुत अध्ययन के सम्पादन हेतु डॉ अरूण कुमार सिंह एवं डॉ. अल्पना सेन गुप्ता द्वारा निर्मित मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण प्रपत्र (MHB) का प्रयोग किया है।

शोध अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यकी :–

1. 2 स्कोर (मानक अंक)
2. औसतांक
3. रेखीय प्रकार्य
4. 0 अंक अथ । अनुपात का प्रयोग यिका गया।

आंकड़ों का वर्गीकरण विश्लेषण एवं व्याख्या :–

रायपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र–छात्राओं के माननीय स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नही पाया जायेगा।

व्याख्या हेतु निर्मित तालिका :– रायपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों छात्र–छात्राओं का भावनात्मक स्तर पर ऑकड़ा निर्वचन तालिका –

क्रमांक	लिंग	भावनात्मक स्तर	ऑकड़ा
01	छात्राएँ		निर्वचन
	उच्च– 75 मध्य – 100 निम्न – 80	उत्तम माध्यमिक स्वास्थ्य मध्य औसत मानसिक स्वास्थ्य निम्न औसत मानसिक स्वास्थ्य	
02 छात्र	उच्च– 75 मध्य – 100 निम्न – 80	उत्तम माध्यमिक स्वास्थ्य मध्य औसत मानसिक स्वास्थ्य निम्न औसत मानसिक स्वास्थ्य	

रायपुर जिले के अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नही पाया जाएगा की व्याख्या करने हेतु निम्नलिखित तालिका निर्माण किया गया है।

क्रमांक	समाजिक भावनात्मक (छात्र + छात्राऐ)	ऑकड़ा निर्वचन
01	उच्च. (80 + 95)	उत्तम मानसिक स्वास्थ्य
02	मध्य (120 + 80)	औसत मानसिक स्वास्थ्य
03	निम्न (50 + 70)	निम्न मानसिक स्वास्थ्य
	HMH	उ. मा. स्वा.
	AMH	औ. मा. स्वा.
	LMH	निम्न. मा. स्वा.

3. रायपुर जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों (छात्र – छात्राओं) के मानसिक स्वास्थ्य में कोई सार्थक अंतर नही पाया जाएगा इस परिकल्पना की व्याख्या हेतु निर्मित तालिका के द्वारा इस परिकल्पना की पुष्टि होती है जो कि निम्नांकित है। शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों (छात्र + छात्राओं) का मानसिक स्वास्थ्य फलांकन तालिका

स्वास्थ्य प्रश्नावली फलांकन तालिका

क्र.	लिंग	शासकीय विद्यालय	सामाजिक भावनात्मक सार			कक्षा का सार
			उच्च	माध्य	निम्न	
01	छात्राएँ	250	80	120	50	ग्यारहवी
02	छात्र	250	70	100	80	बारहवी
01	छात्राएँ	250	95	80	75	ग्यारहवी
02	छात्र	250	75	100	75	बारहवी
	कुल योग	1000	उच्चतर माध्यमिक विद्यालय			

निष्कर्ष :–

प्रस्तुत शोध अध्ययन के निम्ननिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए।

1. शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नही पाया गया।
2. अशासकय विद्यालय के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में भी सार्थक अंतर नही पाया गया।
3. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य सार्थक अंतर नही पाया गया क्योंकि सभी विद्यार्थी किशोरावस्था के थे।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

आस्थाना एवं आस्थाना–(2005), मनोविज्ञान एवं शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन आगरा
अग्रवाल एस.के. (1980),शिक्षा के तकनीकी सिद्धांत राजेश पब्लिसिंग हॉउस
एस.पी. कुलश्रेष्ट (2007),एजुकेशन सॉयकोलॉजी सुर्या पब्लिकेशन मेरठ
सरीन एवं डॉ. रामपाल शर्मा तथा डॉ. ओ.पी. (2008), शैक्षणिक अनुसंधान एवं सांख्यकी आगरा
राय पासनाथ (2012) अनुसंधान परिचय आगरा